No. of Printed Pages : 4

ई.एच.डी.-2

00437

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2013

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

ई.एच.डी.- 2 : हिन्दी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है। शेष* ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों का उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किन्हीं तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **12x3=36**

(क) तपै लाग अब जेठ असाढ़ी। भै मोकहँ यह
छाजन गाढ़ी।।
तन तिनुवर या झूरों खरी। मैं विरहा आगरि
सिर परी।।
साँठि नाहि लगि बात को पूँछा। बिनु जिय
भयउ मूँज तन छूँछा।।
बंध नाहिं और कंध न कोई। बाक न आव
कहौं केहि रोई।।
ररि दूबरि भई टेक बिहूनी। थंम नाहिं
उठि सकै न थूनी।।
बरसहि नैन चुअहिं घर याहाँ। तुम्ह
बिनु कंत न छाजन छाँहाँ।।
कोरे कहाँ ठार नव साजा। तुम्ह बिनु कंत
न छाजन छाजा।।

(ख) रहिमन असुआँ नयन ढारि, जिय दुख प्रगट करेइ।
जाहि निकारो गेह ते, कस न भेद कहि देइ।।
रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे मोती मानस चून।।
जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग।।
पावस देखि रहीम मन, कोयल साधे मौन।
अब दादुर वक्ता भए हम को पूछत कौन।।

(ग) संपति सुमेर की कुबेर की जो पावै ताहि,
तुरत लुटावत विलंब उर धारै ना।
कहैं पदमाकर सुहेममय हाथिन के
हलके हजारन के बितर बिचारै ना
गजगज बकस महीप रघुनाथ राव,
याही गज धोखे कहूँ काहे देइ डोरना।
याही डर गिरिजा गजानन को गोय रहीं
गिरि तें गरे तें निज गोर तें उतारें ना।।

(घ) पंथ रहने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला
घेर ले छाया अमा बन,
आज कज्जल अश्रुओं में रिमझिमा से
घिरा यह घन:

और होंगे नयन सूखे,
तित बुझे औ! पलक रूखे,
आर्द्र-चितवन में यहाँ
शत-विद्युतों में दीप खेला!

अन्य होंगे चरण हारे,
और हैं जो लौटते दे शूल को संकल्प सारे,
दुखव्रती निर्माण उन्मद,

यह अमरता नापते पद,
बाँध देंगे अंक-संसृति
से तिमिर में स्वर्ण बेला!
दूसरी होगी कहानी
शून्य में जिसके मिटे स्वर,
धूलि में खोई निशानी।

(ङ) यह नहीं कि मैं ने सत्य नहीं पाया था
यह नहीं कि मुझको शब्द अचानक कभी-कभी मिलता है :
दोनों जब-तब सम्मुख आते ही रहते हैं।
प्रश्न यही रहता है :
दोनों जो अपने बीच एक दीवार बनाए रहते हैं
मैं कब, कैसे, उनके अनदेखे
उसमें सेंध लगा दूँ
या मर कर विस्फोटक
उसे उड़ा दूँ
कवि जो हों, जो कुछ करते हैं करें,
प्रयोजन मेरा बस इतना है-
ये दोनों जो
सदा एक-दूसरे से तनकर रहते हैं,
कब, कैसे, किस आलोक स्फुरण में
इन्हें मिला दूँ-
दोनों जो हैं बंधु, सखा, चिर सहचर मेरे।

2. आदिकाल की हिन्दी कविता की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 16

3. ''सूरदास वात्सल्य और शृंगार के सबसे बड़े कवि है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 16

4. 'कबीर कवि ही नहीं, समाज सुधारक भी हैं।' आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? तर्क संगत उत्तर दीजिए। 16

5. मैथिली शरण गुप्त के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए। 16

6. सुमित्रानंदन पंत के काव्य में प्रकृति सौन्दर्य का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. प्रगतिशील काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 16

8. 'अज्ञेय और मुक्तिबोध नयी कविता के दो प्रमुख हस्ताक्षर हैं' इस कथन पर विचार कीजिए। 16

9. 'कुरूक्षेत्र' के शिल्प सौन्दर्य का मूल्यांकन कीजिए। 16

10. **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8x2=16
    (क) तुलसीदास
    (ख) मीराबाई
    (ग) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
    (घ) धूमिल